डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 59 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 11 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सोमवार की शाम तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। नाहरगढ पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

नाहरगढ़थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम डिगाव-कचनारा रोड़, खानुखेड़ा फंटे पर तेज रफ्तार कार क्रमांक एमपी 09 आरएन 0786 ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार मोहन लाल धाकड़ निवासी नाहरगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक नगर सुरक्षा समिति का सदस्य था और यातायात थाने पर ट्राफिक व्यवस्था में सहयोग करता था। शाम को मंदसौर यातायात थाने से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान खानुखेड़ा फंटे पर तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। मृतक ने हेलमेट नही पहनी थी, इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

दो माह के लिए कल से बंद होगा गीता भवन अंडरब्रिज

दूसरे ब्राडगेज ट्रेक पर अगले साल जून तक दौड़ने लगेगी ट्रेनें

इसी माह हो जाएगा हर्कियाखाल से मल्हारगढ़ का ट्रेक तैयार

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रतलाम से नीमच के दूसरे ब्राडगैज ट्रेक को लेकर तेजी से काम चल रहा है। सबसे ज्यादा तनाव शिवना ब्रिज ने जरुर दिया है। लेकिन, जून 2025 तक दूसरे ब्राडगैज ट्रेक पर ट्रेनें दौडने लगेगी। इधर इसी को लेकर गीता भवन अंडर ब्रिज क्रमांक 351ए 12 दिसंबर से बंद हो जाएगा। इसके बाद अंडर ब्रिज अगले साल दो माह बाद 12 फरवरी 2025 को खोला जाएगा। इस संबंध में पश्चिम रेलवे ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है।

अभी रतलाम-नीमच तक के रेल खंड में घौंसवास से बडायला चौरासी और नीमच से हर्कियाखाल तक दूसरे ट्रेक पर ट्रेनें चल रही हैं। दिसंबर में हर्कियाखाल से मल्हारगढ़ और जनवरी में बडायला चौरासी से ढोढर का ट्रेक तैयार हो जाएगा। ऐसे में इंजीनियर, इलेक्ट्रिफिकेशन और एसएंडटी वर्क अंतिम दौर में पहुंचने के बाद रेलवे ने सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) इंस्पेक्शन कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके बाद सिर्फ मल्हारगढ़ से ढोढर तक का सेक्शन ही बाकी रहेगा। इसके काफी कुछ हिस्से में पटरियां डल गई हैं। वर्तमान में तकनीकी काम चल रहा है। रेलवे ने इसे पूरा करने के लिए मई की डेडलाइन तय की है। जून में सीआरएस निरीक्षण के दौरान पूरे 133 किमी सेक्शन में दूसरे ट्रेक से गाड़ियों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

अब फोकस शिवना ब्रिज पर...

दोहरीकरण वाले रेल खंड में रेलवे को 31 बड़े और 133 छोटे समेत 164 ब्रिज भी बनाना पड़े हैं। इसमें सबसे ज्यादा मशक्कत मंदसौर की शिवना नदी पर बनने वाले ब्रिज ने करवाई है। इसकी ड्राइंग डिजाइन सबसे आखिरी में फाइनल हुई। इसलिए काम सबसे देरी से लगभग सवा साल पहले प्रारंभ हुआ था। इसका काम अब पूरी रफ्तार पर है। क्योंकि, अफसरों का पूरा फोकस इसी पर है। अप्रैल में उस पर पटरियां डालने का दावा है। उधर 18 में से 6 बडे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई बढ़ाने, नई बिल्डिंग समेत अन्य काम भी अंतिम चरण में है।

तीन सेक्शन में चल रहा काम...

- नीमच से दलौदा 63.94 किमी
- दलौदा से बड़ायला चौरासी 45.05 किमी
- बड़ायला चौरासी से रतलाम 24.38 किमी

ऐसा है रतलाम-नीमच डबलिंग प्रोजेक्ट...

लंबाई 132.92 किमी ✻ अधिग्रहित जमीन 7.3 हेक्टेयर (9.25 करोड़ मुआवजा) ✻ लागत 1095.88 करोड़ रुपए ✻ सिविल वर्क पर खर्च 868.84 करोड़ ✻ इलेक्ट्रिकल वर्क पर खर्च 134.33 करोड़ ✻ एसएंडटी वर्क पर खर्च 88.41 करोड़ ✻ मैकेनिकल वर्क पर खर्च 4.3 करोड़ ✻ रिनोवेशन 18 स्टेशनों का।

शामगढ़ में कानून व्यवस्था बदहाल..!

दिन दहाड़े युवक के अपहरण का प्रयास

गोली भी चलाई, एक नाबालिग को लोगों ने पकड़ा, थाने ले गए

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। तीन दिन में शामगढ़ थाना क्षेत्र में गोली चालन की दूसरी वारदात हो गई। ऐसा लगने लगा है कि यहां बदमाशो को कानून या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। यूपी, बिहार की स्टाईल में दिन दहाड़े अपहरण, फिरौती और फायरिंग ने शामगढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में डाल दिया है। तीन दिन पहले ग्राम बनी में हुए अपहरण के मामले में पुलिस अभी तक कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। वहीं मंगलवार को फिर ग्राम कुंडलाबुजुर्ग में अपहरण का प्रयास किया गया। इस दौरान कार सवारों ने फायर भी किए। गनीमत रही कि लोगों के हिम्मत दिखाने के बाद अपराधी भाग निकले। इधर एक नाबालिग को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। जिसे पुलिस के हवाले किया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

ग्राम कुंडला बुजर्ग में मंगलवार दोपहर को खेत पर काम कर रहे एक व्यक्ति को बंदूक धारी लोगों ने अपहरण करने की कोशिश की। लेकिन, ग्रामीणों के सामने आने से वे अपने मकसद में कामयाब नही हुए। आरोपियों ने इस दौरान हवा में फायरिंग की। अपहरण करने आए एक आरोपी को ग्रामीणों ने दबोच लिया। बाकि आरोपी बंदूक लहराते हुए एक कार में बैठकर भाग निकले। घटना स्थल से बंदूक बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार दोपहर दो बजे के आसपास कुंडला बुजुर्ग में एक स्विफ्ट कार में सवार लोग कुंडला बर्जुग के सुरेन्द्रसिंह पिता तूफानसिंह उम्र 19 वर्ष के खेत पर कार्य कर रहें मजदूर मगन सूर्यवंशी का अपहरण करना चाहते थे। यह विवाद खेती किसानी का काम करने वाले एक मजदूर मगन सूर्यवंशी को लेकर हुआ। सभी आरोपी खाईखेडा एवं खजूरी पंथ के बताऐ जा रहे है। पुलिस के अनुसार जब आरोपियों ने खेत पर पहुंचकर हवा में फायरिंग की तब सुरेन्द्रसिंह ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचती इसके पूर्व सभी आरोपी कार में सवार होकर परार हो गए। ग्रामीणों ने एक नाबालिग आरोपी को पकडा है। आरोपियों में कृष्णपालसिंह पिता अर्जुनसिंह निवासी खजूरी पंथ, जसवंत सिंह पिता कालूसिंह, दारासिंह पिता कालूसिंह निवासी खाईखेडा एक नाबालिग के साथ सुरेन्द्रसिंह के खेत पर पहुंचे। वे वहां कार्य कर रहे मजदूर मगन सूर्यवंशी का अपहरण करने की कोशिश कर रहे थे। सुरेन्द्रसिंह ने विरोध किया तो आरोपियों ने फायरिंग की। इस दौरान ग्रामीणजन भी मोके पर आ गए। ग्रामीणों ने विरोध किया तो आरोपी ठंडे हुए व भाग निकले। इस दौरान ग्रामीणों ने एक नाबालिग आरोपी को पकड लिया। पुलिस ने हालाकि पूरे प्रकरण का खुलासा नही किया है। मगर तीन नामजद व एक अन्य आरोपी के खिलाफ धारा 422 आब्लिक 24 का प्रकरण दर्ज किया है।

तीन दिन पहले भी हुई थी वारदात...

इसके पहले शनिवार को थाना क्षेत्र के ग्राम बनी में अपहरण की घटना सामने आई। पूर्व सरपंच चंदर सिंह मंडलोई के बेटे यशवंत सिंह मंडलोई का उसके खेत से अपहरण हो गया था। परिजनों से फोन पर बात कर 50 हजार की फिरौती मांगी गई थी। वह रात 10.30 बजे अपहृत युवक सड़क किनारे घायल अवस्था में मिला था, उसके हाथ पैर रस्सी से बंधे थे। पीडित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि था करीब 4-5 कंजरों ने उसे हथियार के दम पर किडनैप किया था। अब पुलिस अपहरण के पीछे की असल कहानी अभी तक तलाश ही कर रही है कि दूसरा मामला सामने आया गया।

वायरल वीडियो से फैली सनसनी...

सोशल मीडिया पर अपहरण के प्रयास के दौरान हुई झड़प और देशी कट्टा लेकर दिखाई दे रहे अपहरणकर्ता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो के फैलने के बाद सनसनी फैल गई। पुलिस की कार्यप्रणाली पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

संतरे तोड़ने गई नाबालिग की करंट लगने से मौत

गरोठ, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ थाना क्षेत्र के गांव रणायरा निवासी पूजा पिता नरसिंग आदिवासी उम्र 17 वर्ष की गांव खाखरी में संतरा तोड़ने की मजदूरी पर गई थी। तभी पानी पीने के लिए कुएं की ओर गई तो पैर में विद्युत तार आ जाने से उसे करंट लगा और मौत हो गई।

घटना सोमवार शाम की है, जिसका पोस्टमॉर्टम मंगलवार को किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण गरोठ थाने पर पहुंचे और विभिन्न पहलुओं पर जांच करने के लिए अपना विरोध भी दर्ज कराया। पुलिस से लंबी बहस के बाद ग्रामीण माने और गरोठ अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करा कर मंगलवार को अंतिम संस्कार के लिए परिजन ले गए। मामले की विवेचना कर रहे गरोठ थाने के उप निरीक्षक मांगीलाल चौहान बताते हैं कि मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया पैर में करंट लगने से मौत का कारण सामने आ रहा है। परिजनों के बताए गए अन्य पहलुओं पर भी पुलिस जांच कर रही है।

महादेव की नगरी में मोहन, बोले...

मंदसौर ने देश की राजनीति में अलग पहचान बनाई

भाजपा के जिला कार्यालय भवन का भूमि पूजन किया

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जनसंघ के जमाने से मंदसौर भाजपा का गढ़ रहा है। मंदसौर गंगोत्री के समान देश में भाजपा की राजनीतिक धारा को प्रवाहित कर रहा है। राजनीतिक गंगा का वातावरण यहां के कार्यकताओं ने बनाया है। मंदसौर जिले ने देश में अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने का काम किया है। इस जिले में जनसंघ के जमाने से जो पहली यात्रा प्रारंभ हुई थी, आज वही यात्रा का भव्य विराट स्वरूप पुरे देश के सामने दिखाई देता है। मंदसौर जिला हमारी विचारधारा का वह प्रारंभिक स्थान है जो हिमालय में गंगोत्री के समान हमारी राजनीतिक विचारधारा को ले जाने वाला है। जहां गंगा को लाने के त्याग तपस्या और बलिदान देने में भागीरथ का पुरा परिवार लग गया था और जब गंगा का अवतरण हुआ तो आज पूरी दुनिया में गंगा स्नान का अपना एक अलग महत्व है। मुझे कहने में कोई गुरेज नहीं है कि मंदसौर जिले के कार्यकताओं ने पहला भाजपा का विधायक मंदसौर से बनाया। नगरपालिका में बहुमत हमने सर्वप्रथम मंदसौर जिले से प्राप्त किया। साथ ही एक नहीं दो-दो मुख्यमंत्री देने वाला यह मंदसौर जिला अद्भुत है और यहां के कार्यकर्ता देवतुल्य है।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कही। वह मंदसौर में भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन अवसर पर बोल रहे थे। भारतीय जनता पार्टी नवीन जिला कार्यालय का भूमि पुजन कार्यक्रम बाईपास स्थित हॉकी टर्फ मैदान के सामने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मध्यप्रदेश भाजपा संगठन प्रभारी महेंद्रसिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आथित्य एवं सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिला संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, विधायक हरदीपसिंह डंग, चंदरसिंह सिसोदिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। हर जिले में भाजपा का कार्यालय बनाने के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। यह कार्यालय पार्टी के कार्यकताओं पदाधिकारियो का मान-सम्मान बढ़ाने का काम करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव एवं अतिथियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन अर्चन कर नवीन भाजपा कार्यालय भवन का भूमि पूजन किया और शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के एवं अतिथियों के साथ बूथ अध्यक्षों और कार्यकताओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत अभिनंदन किया।

भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर मंच पर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मध्यप्रदेश भाजपा संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का साफा बांधकर स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किये। भूमि पूजन कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल ने किया एवं आभार भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना ने माना। इस अवसर पर मंदसौर जिले के 18 मंडलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बूथ समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डा. विजय पाटीदार, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमा देवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला, बीजेपी नेता प्रितेश चावला, जिला योजना समिति सदस्य श्रीमति भारती पाटीदार, बीजेपी पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार सहित बड़ी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे।

अब बचपन से पढ़ाएंगे यातायात जागरुकता का पाठ..!

पाठ्यक्रम में शामिल होंगे यातायात के नियम-कायदे

भोपाल, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए सरकार ने एक अनूठी पहल शुरू करने का फैसला लिया है। प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने घोषणा की है कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 से स्कूली पाठ्यक्रम में यातायात नियमों की शिक्षा को शामिल किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को विकसित करना है।

छोटे बच्चों को मिलेगी शुरुआती शिक्षा...

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों को शुरुआत से ही यातायात नियमों के बारे में शिक्षित करना एक प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि बड़े होने पर कोई चीज़ सीखने से बेहतर है कि बचपन में ही छोटे-छोटे पाठों के माध्यम से सही दिशा में सीख दी जाए। मंत्री ने कहा कि अगर बाल्यावस्था में ही बच्चों को यातायात के नियमों के पालन और उल्लंघन के बारे में सिखाया जाए तो वे इसे गंभीरता से अपनाते हैं। नई शिक्षा नीति के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बच्चे बिना किसी दबाव के इन आवश्यक जीवन कौशलों को सीखें।

स्कूल शिक्षा विभाग ने पाठ्यक्रम में यातायात सुरक्षा संबंधी अध्याय जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। छात्रों को प्राथमिक कक्षाओं से ही सड़क सुरक्षा के नियमों की बुनियादी जानकारी दी जाएगी। इस पहल से बच्चों को सड़क पर सुरक्षित रहने, ट्रैफिक संकेतों को समझने और नियमों का पालन करने की आदत विकसित होगी।

बलात्कार के आरोप से बरी..!

युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने के लगाए थे आरोप

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. प्रीति श्रीवास्तव ने एक बलात्कार के मामले में एक आरोपी को दोषमुक्त किया। अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार जोशी ने बताया कि पीड़िता ने आरोप लगाए थे कि वीरेन्द्र पिता रमेशचन्द्र हाडा ने उसे बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार किया। साथ ही उसको जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने महिला थाना में इसकी शिकायत दर्ज करवाई थी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और जांच के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। अभियोजन की ओर से 8 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं, 41 दस्तावेज कोर्ट में पेश किए गए। बचाव पक्ष ने एक गवाह और 112 दस्तावेज पेश किए। न्यायालय ने अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार जोशी के तर्को से सहमत होते हुए अभियुक्त वीरेन्द्र हाडा को दोषमुक्त किया। प्रकरण में पैरवी अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार जोशी, धर्मेन्द्रसिंह सिसोदिया ने की।

नालों में जमा गंदगी- मंदसौर शहर में ऐसे कई बड़े नाले हैं जो कचरे व गंदगी से भरे पड़े है। वहीं नालों के आसपास भी गंदगी का साम्राज्य फैल रहा है। यहां नालों पर बनी पुलियाएं भी पूरी तरह जीर्ण शीर्ण हो रही है। जीवागंज से नरसिंहपुरा जाने वाले मार्ग की पुलिया व नरसिंहपुरा से मदारपुरा जाने वाले मार्ग की पुलिया की हालत इन चित्रो में दिखाई दे रही है।

तीन लाख से अधिक भारतीय छात्रों को इसी माह वापस अमेरिका जाना होगा...

मंदसौर/उज्जैन, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकार आने-जाने का असर राष्ट्र के अलावा वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालता है। अमेरिका में हुए हाल के आम चुनाव के बाद जनवरी के मध्य तक ट्रंप सरकार का गठन हो जाएगा। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने विदेशी प्रवासी फिर चाहे वह छात्र हो या काम करने वाले, सभी को बाहर निकालने की घोषणा की थी। और यह सभी जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है तो वह कर भी सकते हैं। ऐसे में अमेरिका के विश्वविद्यालय में पढ़ रहे 3 लाख 31 हजार भारतीय छात्रों के भविष्य का क्या होगा? लगभग सभी भारतीय छात्र इन दिनों क्रिसमस और वहां के ठंड के मौसम के अवकाश के कारण भारत आए हुए हैं। उनकी वापसी की चिंता इनके ही विश्वविद्यालयों को हो रही है कि कहीं ट्रंप की नई नीति का शिकार ना हो जाए। इसलिए इन्हें तुरंत ही वापस जाना होगा।

चन्द्रमोहन भगत

अमेरिका के जिन विश्वविद्यालयो में भारतीय छात्रो का दाखिला है। उनके प्रशासन को ही इस बात की चिंता है कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही नीति परिवर्तन के कारण कहीं उनके भारतीय छात्रों का अमेरिका प्रवेश वर्जित ना हो जाए। 20 जनवरी को ट्रंप की ताजपोशी होने से पहले अगर भारतीय छात्र वापस अपने-अपने विश्वविद्यालय पहुंच जाएंगे तो नई नीति के प्रभाव से बच अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। भारतीय छात्रों की शिक्षा पूरी हो जाए इसका गंभीरता से ध्यान रखते हुए ही विश्वविद्यालयो ने भारत आए छात्रों को तत्काल वापस बुलाया है। इधर भारत आए हुए छात्रों के साथ दुविधा यह है कि सभी ने पहले से अपनी वापसी की हवाई जहाज की टिकट बुक करा रखी थी। जाहिर है ऐसे छात्रों को टिकट पर हजारों रुपए की रियायत मिली हुई थी। पर अब यूरोप के अवकाश के दिनों में ली जाने वाली टिकटों की कीमत पर 15 से 25 हजार रुपए अधिक देने पड सकते हैं। इसके पहले भी यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर यूक्रेन में 22 हजार से अधिक छात्र पंजीकृत थे। रूस यूक्रेन युद्ध के समय उन्हें भी वापस लाने के लिए सरकार को मुहिम चलाना पड़ी थी। अमेरिका में ट्रंप की घोषणा और पूर्व कार्यकाल को देखते हुए ही भारतीय छात्रों को उनकी ताजपोशी के पहले बुलाया गया है। ताकि नई सरकार किसी छात्र को बेदखल न कर पाए। ऐसा माना जा रहा है कि ट्रंप सरकार की नीतियों के कारण नियमों में बदलाव या किसी भी अन्य प्रकार की कमी बता कर विदेशी छात्रों को अमेरिका प्रवेश से रोका जा सकता है। अमेरिका के विश्वविद्यालय प्रशासन की दुविधा यह है कि अगर भारतीय छात्र समय पर नहीं पहुंचेंगे तो उनके विश्वविद्यालय की छात्र संख्या घट जाएगी। जितने छात्र कम हो जाएंगे, उतने ही अनुपात में छात्रों से मिलने वाली फीस की राशि भी घट जाएगी। कहा जा सकता है कि विश्वविद्यालय का बजट प्रभावित हो जाएगा। भारतीय छात्रों के अलावा दूसरे नंबर पर चीन के 02 लाख 20 हजार छात्र भी अमेरिकी विश्वविद्यालय में पंजीकृत है। दूसरी तरफ अगर कोई छात्र समय रहते वापसी नहीं कर पाएगा तो उसकी शिक्षा तो अधूरी रहेगी ही पर अभी तक वहां की शिक्षा पर खर्च की गई राशि जो प्रति छात्र लाखों रूपयों में होती है, बेकार हो जाएगी।

बेडमिंटन महिला टीम चेम्पियनशीप
मनीषा शर्मा ने लगातार तीसरी बार जीती

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल सर्किल की मनीषा शर्मा और अभिषेक ने गुरूवार को सम्पन्न अखिल भारतीय एसबीआई इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट में दोहरी कामयाबी हासिल की। यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम पर खेले गए महिला एकल के फाइनल में मनीषा शर्मा ने चंडीगढ की दीक्षा सालगोर्ता को सीधे गेमों में 21-17, 21-10 से पराजित किया। मनीषा शर्मा ने टीम चैम्पियनशिप मे भोपाल सर्किल को विजेता बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। महिला टीम चैम्पियनशिप के फाइनल में भोपाल सर्किल ने बेंगलूरू सर्किल को आसानी से 2-0 0 से शिकस्त दी। मनीषा की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे पहले 2022-23 में बेंगलुरु उसके बाद 2023- 24 में लखनऊमें भी महिला एकल की विजेता रही है साथ ही महिला युगल मिश्रित युगल की भी विजेता रही हे । महिला की इस उपलब्धि पर पूरे जिले को गर्व है मनीषा मंदसौर एसबीआई मेन ब्रांच में पदस्थ है, मनीषा की इस उपलब्धि पर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के संरक्षक विशाल गोयल, अध्यक्ष सुभाष भंडारी, उपाध्यक्ष घनश्याम भटवाल, बृजेश जादौन, सचिव नवीन जैन, सुनील वरुण, राघवेंद्र सिंह, संजय पालडिया, डॉक्टर आशीष भट्ट, कुलदीप सिंह, प्रेमदेव पाटीदार, मनीष शेट्टी, भूपेंद्र जैन आदि ने शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

बिना सत्संग के मनुष्य में विवेक उत्पन्न नहीं होता-स्वामी नीलभारती

श्री केशव सत्संग भवन में आयोजित हो रहे है गीता ज्ञान प्रवचन

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा पर संतों के मुखारविन्द से गीता ज्ञान प्रवचन का आयोजन हो रहा है। जिसमें तृतीय दिवस 10 दिसम्बर को स्वामी श्री नीलभारतीजी महाराज ने बताया कि बिनु सत्संग विवेक न होई अर्थात बिना सत्संग के मनुष्य में विवेक उत्पन्न नहीं होता है और यह सतगुरू के बिना संभव नहीं है। जनम-जनम मुनि जतन करा ही अन्तराम मुख आवत नाही, यह सतगुरू के ज्ञान से ही संभव है कि जीव मुक्त हो सकता है। भगवान श्री राम श्री कृष्ण ने भी सतगुरू की शरण ली है।

स्वामी आत्मानंदजी महाराज ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के मोह को दूर कर अपने कर्तव्य पालन का बोध कराया। भगवान ने कहा है कि हे अर्जुन सर्व धर्मों का परित्याग कर मेरी शरण में आ मैं तुझे सम्पूर्ण पापों से मुक्त कर दूंगा। साथ ही यह भी कहा कि मन ही मनुष्यों के मुक्त होने में कारण हैं इसलिये मन को भगवान में अपर्ण कर देना चाहिये एवं भगवान से केवल उनकी भक्ति मांगना चाहिए। यह 84 लाख योनियों में केवल मनुष्य शरीर में संभव है। स्वामी देवस्वरूपानंदजी महाराज ने कहा कि जिज्ञासु भक्त अर्जुन और सतगुरू श्री कृष्ण भगवान होते है जब जिज्ञासु तत्वदर्शी महाराज के पास जाकर उनके चरणों में दण्डवत व सेवा निष्कपट भाव से प्रश्न करता है तो सतगुरू उसे ज्ञान का उपदेश प्रदान करते है। कर्म और उपासना का फल भी अनित्य है। जो गुरू आपको आत्मा की ओर ले जाये वही सर्वश्रेष्ठ सतगुरू है। आत्मा जनम मरण से रहित है। ज्ञानी पुरूष भगवान को अत्यधिक प्रिय है। आपने कहा कि मन गैर नियम स्वभाव वाला है यह क्षण-क्षण बदलता रहता है। गीता हमें उपदेश देती ळै कि हम सत्स्वरूप आत्मा ही है। स्वामी नारायणनंदगिरीजी महाराज ने कहा कि भगवान कृष्ण ने कहा कि है कि आप जहां है वहीं ज्ञान प्राप्त कर सकते है। सत्वगुण सम्पन्न व्यक्ति जहां रहता है वहीं सुखी रहता है वहा सत्वगुण है। वही सुख है, जहां सुख है वहां ज्ञान है। स्वर्गलोक भी अनित्य है, पुण्य क्षीण लेने पर स्वर्ग में जीव को नीचे गिरा दिया जाता है। शुद्ध अन्त:करण में भगवान निवास करते है। रागद्वेष से रहित व्यक्ति निर्द्वन्द्व हो जाता है व किसी को दोष नहीं देता है। भगवद्गीता में संसार की समस्त समस्याओं का समाधान है। तमोगुणी को रजोगुणी, रजोगुणी को सत्वगुणी ओर सत्वगुणी को गुणातीत होना संभव है। इस अवसर पर संतश्री राजेश्वरानंदजी महाराज एवं ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, जगदीश भावसार, प्रहलाद काबरा, अजय मित्तल, प्रवीण देवडा मदन गेहलोद सहित बडी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आए आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करवाएं-चंद्रा

नीमच, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं सभी एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए सभी आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता से करवाएं। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समय सीमा में निराकरण होने पर प्रशंसा करते हुए कलेक्टर ने कहा, कि इसी तरह आमजनों की समस्या ओं का निराकरण कर उन्हें र लाभांवित करें। बैठक में बताया, कि जिन दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र नहीं बने है, ऐसे दिव्यांगों की सूची तैयार कर, जीरन में आयोजित होने वाले शिविर में प्रमाण पत्र बनवाएं। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सभी पंचायतों में अपात्रता पर्ची वाले हितग्राहियों का नाम हटवाएं। सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि दो वर्ष से अधिक के धारणाधिकार प्रकरणों का निराकरण करें और एमपीईबी, खाद्य विभाग, नगरपालिका, नगर परिषद, श्रम विभाग सीएम हेल्प लाईन के प्रकरणों का निराकरण तत्काल करवाएं।

मांगों एवं समस्याओं को लेकर उपमुख्यमंत्री से चर्चा कर ज्ञापन दिया

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवडा के मंदसौर स्थित निवास पर प्रदेश के पेंशनरों की मांगों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर भारत पेंशनर्स समाज एवं प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन जिला शाखा मंदसौर का संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल जिसमें जिलाध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक शर्मा, प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सतीश नागर, उपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह चौहान, नरेन्द्रसिंह चौहान, महामंत्री इंजिनियर सुनील व्यास, धर्मपालसिंह देवडा ने चर्चाकर ज्ञापन दिया।

प्रतिनिधि मण्डल द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री देवडा से म.प्र./ छत्तीसगढ राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की पेंशनर विरोधी धारा 49 (6) समाप्त करने, जिलों के पेंशन कार्यालय बंद नहीं करने, 30 जून एवं 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को एक काल्पनिक वेतन वृद्धि दिये जाने के निर्देशों के बावजूद विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वीकृति नहीं करने से हो रहे विलम्ब को देखते हुए वेतन वृद्धि स्वीकृति के अधिकार जिले के कार्यालय प्रमुख को देने की मांग की ताकि शासन के विरूद्ध पेंशनरों द्वारा न्यायालय में लगाई जा रही अवमानना याचिकाओं में कमी आवे ताकि पेंशनरों एवं शासन के समय एवं आर्थिक हानि होने से बच सके। वित्त विभाग द्वारा न्यायालय के निर्णय का पालन करने के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कई विभागों के अधिकारियों/ वरिष्ठकार्यालयों द्वारा पेंशनरों के प्रकरणों में शासकीय अधिवक्ता से अभिमत की आड में प्रकरण के निराकरण हेतु वरिष्ठ कार्यालय के प्रकरण नहीं भेजा जाकर पेंशनर को प्रताडित कर शासन के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने हेतु बाध्य किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने विस्तार से पेंशनरों की समस्या सुनने के बाद शीघ्र निराकरण का आश्वासन संगठन के प्रतिनिधि मण्डल को दिया गया। जिस पर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री देवडा का आभार व्यक्त किया। ये जानकारी अशोक कुमार शर्मा द्वारा दी गई।

राज्य कर अधिकारी नीमच ठा. सुरेन्द्र सिंह चुंडावत कचनारा का निधन

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्य कर अधिकारी नीमच ठा सुरेन्द्र सिंह चुंडावत ठिकाना कचनारा का सोमवार व मंगलवार दरम्यानी रात असमय निधन हो गया। आपने 60 वर्ष की आयु पूर्ण की थी। वह युवा अभिभाषक बृजेंद्र सिंह, इंजीनियर शैलेंद्र सिंह एवं युवराज सिंह के पूज्य पिताजी थे तथा बैंक कर्मी नेता ठाकुर भानुप्रताप सिंह चंद्रावत, वरिष्ठ अभिभाषक ठाकुर गोपालसिंह पवार के साडू साहब एवं अभिभाषक एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मंदसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के मौसा ससुर थे। उनके निधन के समाचार से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उनकी अंतिम यात्रा उनके रामटेकरी मंदसौर स्थित निवास से मंगलवार प्रात: 11.30 बजे निकली जिसमें बडी संख्या में परिजनों, स्नेहीजनों, समाज जनों के साथ उनके विभाग के अधिकारी कर्मचारियों से शामिल होकर उनको श्रद्धांजलि देते हुए नम आंखों से अंतिम बिदाई दी। शिवना नदी किनारे स्थित मुक्तिधाम मन्दसौर पर उनके पुत्रों बृजेंद्रसिंह, शैलेन्द्रसिंह एवं युवराजसिंह के साथ परिजनों ने उनकी पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। उनकी अंतिम यात्रा में जिला राजपूत समाज ट्रस्ट अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह चौहान, मंदसौर, नीमच एवं जावरा के वाणिज्य कर अधिकारी गण के बडी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने अपनी भागीदारी की। मुक्ति धाम पर आयोजित शोक सभा में वक्ताओं ने श्री चुंडावत को एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठएवं अपने कार्य के प्रति लगशीलता का प्रतीक बताया। अपने शासकीय सेवा के कर्तव्य के प्रति वह अंतिम समय तक बीमारी के बाबजूद तन्मयता एवं कर्मठता से अंतिम समय तक कार्यरत रहे। शोक सभा का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजपाल सिंह परिहार ने किया।

आज से शुरू होंगे प्री क्वार्टर फाइनल

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाडियों का उत्साह और जोश मैच प्रतियोगिता प्रारंभ के दिन आतिशबाजी कार्यक्रम के बाद से ही नजर आ रहा था. जिला क्रीडा अधिकारी श्री बंसीलाल बारीवाल द्वारा बताया गया कि 68वीं राष्ट्रीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुल 12 मैच खेले गए, जिसमें तमिलनाडु विरुद्ध केरल में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल विरुद्ध बिहार में बिहार, गुजरात विरुद्ध महाराष्ट्र में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश विरुद्ध पंजाब में पंजाब 0-1 से विजेता रहे, वहीं कुछ मैच एकतरफा भी दिखाई दिए जैसे उत्तर प्रदेश विरुद्ध चंडीगढ में उत्तर प्रदेश 9-1 से, तथा केरल विरुद्ध सीबीएसई में केरल 19-0 से, तमिलनाडु विरुद्ध छत्तीसगढ मैं तमिलनाडु 3-0 से तथा दिल्ली विरुद्ध तेलंगाना में तेलंगाना 0-2 से पछाडते हुए नजर आये तथा मैच की रिपोर्टिंग कर रहे प्रचार समिति सदस्य हेमंत सुथार, तथा मुकेश जैन ने बताया कि कई मैच में कांटे की टक्कर रही और वह मैच ड्रा हुए जिनमे कर्नाटक विरुद्ध राजस्थान 2-2 से, सीबीएसई विरुद्ध हिमाचल प्रदेश 1-1 से, उत्तराखंड व बिहार तथा विद्या भारती विरुद्ध पश्चिम बंगाल दोनों मैच 0-0 से ड्रॉ रहे. आज से प्री क्वार्टर फाइनल मैच प्रारंभ होंगे जिसमें केवल 16 टीम में रह जायेगी. खिलाडियों का उत्साह वर्धन करने के लिए करणी इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे भी उपस्थित हुए तथा उन्होंने खिलाडियों का गर्मजोशी से उत्साहवर्धन किया तथा मैच का आनंद लिया।

शालेय राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता के मार्च पास्ट का नेतृत्व स्काउट गाइड ने किया

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इन दोनों मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शालेय हॉकी क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन हो रहा है। इसका भव्य शुभारंभ राजीव गांधी नूतन स्टेडियम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा द्वारा उद्घाटन किया गया इस अवसर पर 26 राज्यों के 474 बालिकाओं ने प्रत्येक स्टेट के अपने ध्वज और अपनी अलग रंग बिरंगी वेशभूषा के साथ मार्च पास्ट किया। मार्च पास्ट का नेतृत्व मध्य प्रदेश भारत स्काउट गाइड जिला संघ मंदसौर के सीएम राइस स्कूल गुर्जर बरडिया के स्काउट गाइड ने किया, 26 टीमों के सबसे आगे स्काउट गाइड का बैंड बजाते हुए स्काउट गाइड ने सुमधुर धुनो पर मनमोहक प्रस्तुति दी। जिला संघ के जिला मुख्य आयुक्त अंशुल बैरागी जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष दीपिका बैरागी ब्लॉक संघ मंदसौर अध्यक्ष डॉक्टर आशीष खिमेसरा, जिला गाइड कमिश्नर सहायक संचालक टेरेसा मिंज, जिला कमिश्नर स्काउट कमिश्नर एवं जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र कुमार डाबी, जिला रोवर्स कमिश्नर एनडी वैष्णव, जिला कब कमिश्नर हरीश नामदेव, जिला सचिव सलमा शाह आदि ने स्काउट गाइड की शानदार प्रस्तुति पर उन्हें बधाई दी।

राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की कुंजी है गीता...

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व के सभी महान धर्म ग्रंथ देश काल की सीमा से परे है। मनुष्य जीवन के लिए भारतीय धर्म ग्रंथो में समय, काल एवम परिस्तिथियों के मान से ऐसे अनुपम उदाहरण और उपदेश समाहित किए हे जो विश्व कल्याण का आधार बनकर आज भी अपनी सर्व स्वीकार्यता के साथ ही प्रासंगिक भी हे। गीता सार के द्वारा ही वसुधेव कुटम्बकम का विचार भाव विश्व के समक्ष भारत ने रखा था।श्रीमद भागवत गीता विश्व के चुनिंदा ग्रंथो में से एक है जो आज भी सबसे अधिक पडी जाती है। गीता केवल धार्मिक तार्किक ही नही वैज्ञानिक रूप से भी स्वीकार ग्रंथ हे। गीता उस महान दर्शन के मूल सिद्धांत का कार्य करती हे जो यह बताने में सफल होती हे की सत्य और असत्य के बीच जब भीषण संघर्ष होता हे तब अंतत: सत्य की ही विजय होती हे। गीता शाश्वत रूप से सत्य की पैरवी करती हे क्योंकि सत्य परेशान हो सकता हे पराजित नही। गीता जीवन मे कर्म और अनुशासन से जीने की प्रेरणा देती है। इसके 18 अध्यायो के करीब 700 श्लोको में हर उस समस्या का समाधान मिल जाता है जो कभी न कभी प्रत्येक व्यक्ति के जीवन मे आ जाती है। आधुनिक दिखने व आगे निकलने की होड में आज मनुष्य अपने पराए को भुला बैठा है। धर्म के नाम पर आडम्बर व दिखावा अधिक हो गया है। परंतु वास्तविक धर्म क्या है ? इसको कोई समझना नही चाहता। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि गीता उपनिषद रुपी बगीचे में से आध्यात्मिक सत्यरूपी पुष्पो में गूंथा हुआ पुष्प गुच्छ है और धर्म की व्याख्या करते हुवे कहा है कि मानव सेवा ही सबसे बडा धर्म है। गीता का सार यही है कि मनुष्य को बिना फल की इच्छा से अपने मानवीय कर्तव्यो का पालन पूरी निष्ठा से करना चाहिए क्योंकि निष्काम कर्म ही सर्वश्रेष्ठ परिणाम देता है। सभी धार्मिक ग्रंथों में यही बात प्रमुखता से बताई जाती है किंतु क्या हम उसका अनुसरण कर उसे जीवन मे आत्मसात कर पा रहे है ? हम कर्मकांड, पूजा-पाठ और मंदिरो को ही धर्म समझ लेते है। हमारे धार्मिक ग्रंथों ने कर्तव्य को ही धर्म निरूपित किया है। भारतीयता पर गीता का इतना व्यापक असर है कि आज भी गीता के ऊपर हाथ रखकर कसम खाई जाती है। गीता अतीत का स्मारक नही है यह भविष्य के निर्माण की रूपरेखा के साथ उस विश्वास की नींव रखने वाला शास्त्र है जो संदेह से परे है। यूं तो गीता सभी के लिए संजीवनी की तरह है किंतु उसका सीधा संबंध युवाओ से है। युवाओ को सही मार्ग पर प्रेरित करने का कार्य गीता सनातन काल से कर रही है। अर्जुन को धर्म-कर्म एवम अधर्म के साथ ही समाज व देश के प्रति कर्तव्य का भान गीता ने करवाया। वर्तमान दौर में गीता युवाओ को समय प्रबंधन के साथ समाज-राष्ट्र में उनके चरित्र, आचरण व स्वभाव से क्या परिवर्तन आ सकता है इसका ज्ञान व मार्गदर्शन कराती है। श्रीमद् भागवत गीता को किसी धर्मग्रंथ में लपेटकर किसी की जागीर बताने के बजाए उसे मनुष्य मात्र की और विश्व की संपत्ति के रूप में देखा जाना चाहिए जो विश्व में संस्कारो और कर्मशील जीवन के निर्माण का विचार प्रवाह कर रही हे। गीता व्यक्ति को समाज हित में राष्ट्रहित में और लोककल्याण के हित में एक समग्र व्यक्ति निर्माण की राह दिखाती हे। देशवासियो को संकल्प लेना चाहिए की घर घर में गीता को न केवल पवित्र ग्रंथ के रूप में बल्कि चरित्र निर्माण की कुंजी के रूप में अंगीकार करेंगे।

गौरव सोनी, मन्दसौर

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

नपा में नेशनल लोक अदालत 14 को लगेगी

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, राजस्व समिति सभापति श्रीमती कौशल्या प्रहलाद बंधवार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14.12.2024 शनिवार को किया जा रहा है, जिसमें सम्पत्तिकर, समेकित कर, जलकर आदि की अधिभार राशि में नियमानुसार छूट प्रदान की जावेगी । सम्पत्तिकर, समेकित, आदि की राशि ऑनलाइन जमा करने की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गई है, जो करदाता बकाया टैक्स की अधिभार राशि (पेनल्टी) में छुट प्राप्त करना चाहते है वह नगरपालिका में दिनांक 14.12.2024 केपूर्व ही उपस्थित होकर अपनी आई.डी. बनवा लेवे ताकि लोक अदालत के दिन उन्हें टैक्स जमा कराने में असुविधा न हो। जिन करदाताओं द्वारा पूर्व में राष्ट्रीय लोक अदालत में छूट का लाभ ले लिया है वह छूट का लाभ नहीं ले सकेंगे। अत: समस्त कर दाताओं से अपील की जाती है कि समय पूर्व अपनी सम्पत्ति की आई.डी. बनवा लेवे, एवं राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14.12.2024 को सम्पत्तिकर, समेकितकर, जलकर इत्यादि अधिभार की राशि में नियमानुसार छूट का लाभ लेवें।

वैष्णव बैरागी समाज का राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वैष्णव सेवा संघ मंदसौर एवं श्री वैष्णव बैरागी कोर कमेटी मंदसौर द्वारा भामाशाह पं. योगेंद्र महंत राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2024 श्री नरेंद्र वैष्णव घाटोल बांसवाडा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए देशभर से पधारे मुख्य अतिथियों के द्वारा कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में वैष्णव समाजजनों की उपस्थिति में दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, पूर्व राज्य मंत्री दर्जा मध्य प्रदेश शासन पं. योगेंद्र महंत, पी एल बैरागी भोपाल, नीरज वैष्णव शाजापुर, उद्योगपति हरि ओम वैष्णव कैलारस मुरैना, बंटी बैरागी देपालपुर, कथा वाचिका जयमाला दीदी नीमच, प्रकाश वैष्णव इंदौर और देशभर से पधारे समाज जनों की उपस्थिति में 2024 राष्ट्रीय गौरव सम्मान एवं श्री वैष्णव रामानंदाचार्य कैलेंडर 2025 का विमोचन किया गया। श्री वैष्णव बैरागी समाज जनों में 5000 कैलेंडर का निशुल्क वितरण किया गया। स्वागत भाषण राधेश्याम बैरागी ने दिया एवं आभार महेश कुमार वैष्णव सेवा संघ मंदसौर ने माना। स्नेह भोज के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

गीता जयंती: सद्कर्म, स्व-धर्म और सच्चे कर्तव्य पथ की प्रेरणा-मुख्यमंत्री

भोपाल, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आज गीता जयंती का अवसर अद्भुत और अलौकिक ऊर्जा से परिपूर्ण है। मध्यप्रदेश में पहली बार ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी को गीता जयंती की मंगलकामनाएं...।

यह हमारा सौभाग्य है कि 8 से 11 दिसंबर 2024 की अवधि में चलने वाले इस महोत्सव में हमें गीता के ज्ञान और इसके महत्व को जानने तथा व्यवहार में आत्मसात करने का अवसर मिला है। विरासत से विकास की संकल्पना के मूल विचार में सनातन परम्पराएं, मान्यताएं और उसके कल्याणकारी सामाजिक परिणाम रहे हैं। इसी क्रम में गीता जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध पक्षों और श्रीमद्भागवद गीता के सार्थक संदेशों से नागरिकों को अवगत करवाना है। सौभाग्य की बात है कि मध्यप्रदेश गीता के सस्वर पाठ का विश्व रिकार्ड स्थापित कर रहा है। इसी श्रृंखला में विद्यालयों में गीता पर केन्द्रित क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लाखों विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन के रहस्य की जो बात श्रीमद्भगवद गीता में समझाई है वह हम सभी के लिये पाथेय के रूप में है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये प्रासंगिक है।

भगवान श्रीकृष्ण ने पांच हजार साल पहले महाभारत की युद्ध भूमि कुरूक्षेत्र में कौरवों और पांडवों के बीच अर्जुन को कर्मयोग की शिक्षा दी जिससे पवित्र गीता का अवतरण हुआ। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा जो बातें कही गई वह आज भी सम-सामयिक है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने जिस गीता भाष्य की रचना की थी उसे क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह, राजगुरु आदि क्रांतिवीर अपने पास रखते थे। गीता भाष्य से प्रेरणा लेकर क्रांतिकारियों ने देश की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष किया। गीता हमारे लिये न केवल पवित्र ग्रंथ है बल्कि जीवन की सार्थकता सिद्ध करने का मार्ग भी है। गीता का मध्यप्रदेश से गहरा संबंध है। भगवान श्रीकृष्ण विद्याध्ययन के लिये मध्यप्रदेश की उज्जैन नगरी आये थे। यहां महर्षि सांदीपनि आश्रम में उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई थी, इसी धरती पर उन्हें सुदर्शन मिला। श्रीमद्भगवद गीता आज भी पूरे संसार के लिये एक अद्भुत ग्रंथ है। संसार के लगभग प्रत्येक देश ने अपनी स्वभाषा में गीता का अनुवाद किया और विश्वविद्यालयों ने शोध किया। व्यक्तित्व विकास की आधुनिक पुस्तकों में ऐसा कोई सूत्र नहीं जिसका वर्णन श्रीमद्भगवद गीता में न हो। श्रीमद्भगवद गीता भारतीय दर्शन और चिंतन का मूल आधार है, जो सत्कर्म के माध्यम से मनुष्य को अपने में ही दिव्यता का अनुभव करा देती है। यह समस्त मानव समाज को स्व-धर्म का आत्मबोध देती है और सच्चे कर्तव्य पथ की ओर प्रशस्त करती है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय में गीता भवन केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं। यह भवन गीता के ज्ञान को साझा करने का महत्वपूर्ण स्थान होगा। यहां होने वाले विचार-विमर्श से लोगों के जीवन और व्यवहार में बदलाव आयेगा। हमने प्रदेश के सभी विकासखण्डों में एक गांव को चयनित कर वृंदावन गांव के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इन गांवों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा। वृंदावन गांव में जहां एक ओर प्राचीन संस्कृति को पुष्पित और पल्लवित किया जायेगा, वहीं दूसरी ओर जैविक खेती और दुग्ध उत्पादन को बढावा दिया जायेगा। रामायण और श्रीमद्भगवद गीता हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। हमारी युवा पीढी को इन धर्म ग्रंथों के बारे में जानना आवश्यक है। इनके ज्ञान से अपने व्यक्तित्व और भविष्य को परिष्कृत किया जा सकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश करते हुए पाठ्यक्रमों में रामायण और गीता वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल की गई हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को गीता का ज्ञान भी दिया जा रहा है, जो धरातल पर भी दिखाई दे रहा है। प्रदेश के स्कूलों में पढने वाले विद्यार्थियों के एक हाथ में श्रीमद्भगवद गीता है तो दूसरे हाथ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पुस्तकें। यह बदलाव बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण से लेकर भविष्य निर्माण की महत्वपूर्ण कडी है। श्रीमद्भगवद गीता में कुल 700 श्लोक हैं। इनमें 574 श्रीकृष्ण उवाच अर्थात् भगवान श्रीकृष्ण ने कुल 574 श्लोकों में जीवन का संदेश दिया है। व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के साथ संपूर्ण प्रकृति और सृष्टि के जीवन के सभी विषय, हर समस्या का समाधान इन श्लोकों के सूत्रों में है। भगवान श्रीकृष्ण ने जीवन की सफलता के लिये अपने धर्म के पालन और एकाग्रता के साथ कर्मशीलता पर ही बल दिया है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।। (2/47)

अर्थात् तुम्हारा अधिकार केवल कर्म पर है, कर्म के फल पर नहीं... इसलिए फल की चिंता किये बिना कर्म को ही कर्तव्य मानकर कार्य करो, उसी पर तुम्हारा अधिकार है।

गीता के अध्याय दो के इस श्लोक में किसी व्यक्ति के जीवन की सफलता का ही नहीं, समाज और राष्ट्र के विकास का भी यही सूत्र है। मनुष्य को अपना पूरा ध्यान अपने कर्म और कर्तव्य पर ही लगाना चाहिए। यदि व्यक्ति का समर्पण कर्तव्य के प्रति है तो उससे कोई अनुचित कार्य नहीं होगा और यदि पूरी आयोजना के साथ कर्म आरंभ किया है तो उसकी शत-प्रतिशत सफलता निश्चित है तब :यों परिणाम के प्रति चिंतित होना चाहिए। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि श्रीमद्भगवद गीता की प्रेरणा से मध्यप्रदेश ने अपनी विकास यात्रा आरंभ की है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है 'विकास के साथ विरासत'। इसीलिए एक ओर जहां विकास के लिये बहुआयामी योजनाओं पर काम हो रहा है वहीं भावी पीढी के निर्माण और उन्हें अपने कर्म-कर्तव्य की प्रेरणा देने के लिये विरासत को भी संजोया जा रहा है। मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों में योगेश्वर और कर्मेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियां बिखरी हुई हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण, महू के पास जानापाव में भगवान परशुराम से भेंट, धार जिले के अमझेरा में रुःमणी वरण और शौर्य का प्रदर्शन आदि स्थानों में उनके स्मृति चिन्ह हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने श्रीकृष्ण पाथेय निर्माण करने का संकल्प लिया है। इस पाथेय में उन सभी स्थानों को जोडा जा रहा है जहां भगवान श्रीकृष्ण का आगमन हुआ। यह सब एक तीर्थ के रूप में विकसित होंगे और इन स्थानों पर भगवान श्रीकृष्ण की लीला, शिक्षा एवं श्रीमद्भगवद गीता के संदेश उकेरे जायेंगे ताकि वर्तमान पीढी उनके संदेशों को समझकर अपना जीवन सार्थक कर सके। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का उत्सव है। मेरा प्रदेश के सभी नागरिकों से आग्रह है कि वे गीता की अमूल्य शिक्षा तथा मूल्यों से प्रेरणा लें, अपने जीवन में आत्मसात करें और अपने विकास के साथ विकसित मध्यप्रदेश निर्माण की संकल्पना को आधार प्रदान करें।

आप सभी को पुनश्च गीता जयंती की हार्दिक बधाई...

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	117	2232	2433
उडद	34	4901	6250
सोयाबीन	4000	3600	4326
गैहु	1214	2751	3101
चना	117	5500	6251
मसुर	50	5400	6000
धनिया	203	5555	6991
लहसुन	11000	10501	29600
मैथी	457	4841	6313
मुंगफली	4000	4000	5300
अलसी	1012	5401	6000
सरसो	144	5400	5742
तारामीरा	12	4181	4181
इसबगोल	82	9500	13000
प्याज	12500	1450	4050
कलोंजी	4	12600	18500
तुलसी बीज	4	17700	18018
डॉलर	23	9400	10700
तिल्ली	35	8740	12410
जौ	17	2497	2497
मटरसुखी	3	6100	6200
असालीया	12	11501	13000
चियाबीज	30	10200	15151

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर की शाखा सुवासरा में अनियमितताओं का खुलासा, जांच में दोषी पर कार्रवाई की सिफारिश

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर की शाखा सुवासरा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों द्वारा की गई सामूहिक शिकायत की जांच में कई गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है।

नेमीचंद राठौर

जांच अधिकारी टी. आर. गुंद्रावत वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक सहकारिता जिला मंदसौर एवं हिमांगीनी शर्मा उप अंकेक्षक सहकारिता जिला मंदसौर ने अपनी जांच रिपोर्ट के अनुसार शाखा के प्रभारी प्रबंधक एवं सहकारी निरीक्षक आर.पी. कुमावत द्वारा कई मामलों में नियमों का उल्लंघन करते हुए कार्य किया जाना पाया गया है। शिकायत की जाँच कर जाँच प्रतिवेदन सहपत्रों सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु उप/सहायक आयुक्त, सहकारिता, जिला मंदसौर को दी गई। जांच में उजागर हुए मुख्य बिंदु: वेतन वृद्धि में अनियमितता श्री कुमावत एवं अन्य प्रबंधकों ने बिना सक्षम प्राधिकरण की स्वीकृति के कर्मचारियों की वेतन वृद्धि की। यह नियमों के अध्याय 8 की कंडिका 34 का उल्लंघन है। अनुग्रह अनुदान का वितरण 12 दिसंबर 2023 को संस्था कर्मचारियों को रु 1,38,772/- का अनुग्रह अनुदान दिया गया, जो विभागीय निर्देशों के विपरीत था।

शिकायतों के कारण उत्पन्न विवाद–गुराडिया विजय के सहायक प्रबंधक राधेश्याम व्यास का तीन माह का वेतन रोकने के बाद उनकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज कराई गई। वेतन भुगतान शिकायत के बाद किया गया।

रिश्वत का मामला–गुराडिया विजय के सेल्समैन संजय जैन से रु 10,000/- की रिश्वत फोन-पे के माध्यम से लेने का आरोप है। यह 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988' के तहत दंडनीय अपराध है।

किराया अनुबंध में लापरवाही–सुवासरा की दुकानें 2017 से किराये पर दी गई हैं, लेकिन अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया और किराया नहीं बढाया गया।

विभागीय आदेशों का उल्लंघन–दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को अतिरिक्त वेतन और बोनस का भुगतान भी विभागीय आदेशों और गजट नोटिफिकेशन के विपरीत पाया गया।

सिफारिशें और अगली कार्रवाई– जांच रिपोर्ट के आधार पर आर.पी. कुमावत, सहकारी निरीक्षक, और संबंधित प्रबंधकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई है। साथ ही, संस्थाओं के वित्तीय प्रबंधन और कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया की पुन: समीक्षा का निर्देश दिया गया है।

कार्रवाई का इंतजार–यह मामला सहकारिता क्षेत्र में अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारि द्वारा दोषि पर क्या कदम उठाए जाते हैं।

मामला कायाकल्प अभियान का...

सड़कों के पेचवर्क में लापरवाही, सालभर बाद भी काम नहीं हुआ शुरु

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर की सड़कों पर थेगले लगाकर गड्ढे भरे जा रहे हैं। लेकिन, यह सिर्फ मन को समझाने का काम किया जा रहा है। जिस तरह से झोलाछाप डॉक्टर उपचार करता है, उसी स्टाईल में काम किया जा रहा है। लगभग बिना डामर के गड्ढों में चूरी डाली जा रही है। अब यह चूरी सड़कं पर बिखर रही है। यह बात अलग है कि इसका भी बकायदा नगरपालिका में बिल लगेगा और पास भी होगा। इधर बात करे कायाकल्प अभियान की तो इसमें लापरवाही देखने को मिल रही है। शहर में कायाकल्प-2 के तहत 06.50 करोड़ रूपए की लागत से 5 सड़कों का डामरीकरण होना था। लेकिन सालभर बीतने के बाद भी एक भी सड़क का काम शुरू नहीं हुआ। इन सडक़ों का काम दीपावली से पहले पूरा होना था। सुविधा नहीं मिलने से से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगरपालिका की सुस्ती का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले चरण की 6 सड़कों पर डामरीकरण करने में ही डेढ साल लगा दिया था।

कायाकल्प के प्रथम चरण में 4.75 करोड रुपए से 6 सड़को का काम किया गया। पहले चरण की शुरुआत 22 जून 2023 से हुई थी,जो कि नवंबर तक चली। इसकी शुरुआत के समय ही दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी। इसके अनुसार मिड इंडिया ब्रिज से लेकर स्टेशन रोड तक, गांधी चौराहा से कालाखेत तक, गुप्ता कचौरी से पुराना नाका सहित अन्य 2 सड़के मिलाकर कुल 5 सड़क बनना हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी नपा सड़को का काम नहीं करा सकी। ऐसे में अधिक यातायात दबाव वाले मार्गों पर लोगों को हिचकोले खाकर गुजरना पड़ रहा है। बारिश के दौरान भी लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पूर्व में नपा ने बजट की कमी का हवाला दिया, फिर टेंडर प्रक्रिया में महीनों गुजार दिए। राहगीरों का कहना है कि इन मार्गो पर सुधार की जरूरत है।

पीडब्ल्यूडी की सड़क भी दयनीय हालत में...

शहर के निकाय के साथ पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीन सड़को की स्थिति भी ठीक नहीं है। आंबेडकर चौराहा से लेकर कोर्ट जाने वाली सड़क पर गड्ढे होने से लोग परेशान हो रहे हैं। इसके अलावा उत्कृष्ट स्कूल के समीप नेहरू बस स्टैंड जाने वाली सड़क पर गड्ढे हो रहे हैं और धूल केगुबार उड़ रहे हैं। यहां नपा ने पैचवर्क केनाम पर मिट्टी डाली थी, जो अब गायब हो गई है। वहीं मुख्य सड़कोंकेसाथ अन्य क्षेत्रोंमें भी लोग परेशान हो रहे हैं। अभिनंदन नगर में भी सड़के खस्ताहाल होने से वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

चाइनीज मांझे-डोर पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में सख्ती से लगे पूर्ण प्रतिबंध

स्वदेशी जागरण मंच ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर की मांग

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच जिला मंदसौर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मंदसौर प्रवास के दौरान ज्ञापन देकर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में चाइनीज मांझे/डोर पर सख्ती से पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।

मुख्यमंत्री को दिये ज्ञापन में कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मकर सक्रांति का त्यौहार आने वाला है तथा त्यौहार को देखते हुए बाजार में विदेशी चाइनिज माझे डोर की आवक बढने लगी है म.प्र. की सम्पूर्ण बॉर्डर पर जहां से चाईनीज माझे/डोर आते है विशेष रूप से प्रतिबंधित किया जावे तथा तथा चाइनिस माझे/डोर केउपयोग पुरे म.प्र.में प्रतिबंध लगाया जावे। खरीदने और बेचने पर दंडात्मक कार्यवाही की जावे। इसके कारण मानव एवं पशुपक्षी बेजुबान जानवरी को इसका शिकार होना पडता है और जान से हाथ धोना पडता है उसके पश्चात भी चाइनिस माझे/डोर का उपयोग करना लोगों घ्द्वारा बंद नहीं किया गया है तथा इस माल भी लोगों के द्वारा उक्त माझे का उपयोग किया जायेगा जिससे जान माल की क्षती होने की सम्भावना है इसँ लिये चाइनिज माझे डोर पर पूर्ण रूप से पुरे मध्यप्रदेश में प्रतिबन्ध लगाया जाने बबाल व स्वदेशी माझे/डोर उपयोग किये जाने हेतु आदेश प्रदान करे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक दिलीप व्यास, सहसंयोजक अंकुश पालीवाल, राजेश चौहान, जिला संयोजक दिलीप चौधरी, महेंद्र सिंह राजावत, जिला संपर्क प्रमुख डॉ हेमंत नामदेव, वरिष्ठनागरिक आयाम प्रमुख वीरेन आर्य, पं. राजेश शुक्ला, तहसील संयोजक अभिजीत सिंह मंडलोई, सह.संयोजक रविंद्र सिंह जादोन, नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, नगर प्रचार प्रमुख उदित जैन, जितेंद्र पाटीदार, भारत ओझा, मातृशक्ति निशा कुमावत, पूजा ठाकुर, रेखा जोशी, मीनाक्षी पवार, कविता चौहान, गोविंद सिंह सिसोदिया, देवेंद्र भारती, नितेश माली, सतीश बैरागी, शुभम दुबे, अनमोल वाधवा आदि उपस्थित थे।

भागवत कथा जारी, आज मनेगा कृष्ण जन्मोत्सव

पिपलियामंडी, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव रायनखेडा में भागवत कथा जारी है। 8 दिसम्बर से शुरु हुई कथा 14 दिसम्बर तक चलेगी। संत प्रभु नागर प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक कथा का वाचन कर रहे है। 11 दिसम्बर को कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनेगा। कथा में प्रतिदिन बडी संख्या में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे है। कथा स्थल पर जाने के लिए पिपलियामंडी से प्रात: 11 बजे बस की व्यवस्था भी की गई है।

विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन के तहत विश्व मानव अधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डा.उमा गगरानी ने बताया कि केवल मनुष्य को ही वाणी दी गई है जिससे कि वो कहकर अपने अधिकार प्राप्त कर सका है। आपने भारत के संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला साथ ही छात्राओं से आव्हान किया कि वे अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सतर्क रहे। यह हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है कि कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ आई परन्तु हमारे अधिकार हमेशा सुरक्षित रहे।

विषय प्रवर्तन करते हुए महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो.दिलीपसिंह कांदिल ने विश्व के कुछ देशों में हो रहे गृह युद्धों, मिडिल ईस्ट समस्या, रूस, युक्रेन युद्ध पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि देशों का उदाहरण दिया कि वैश्विक स्तर पर मानव अधिकारों का हनन हो रहा है परन्तु भारत इन सब से बेहतर लोकतांत्रिक देश के रूप अपने अधिकारों के साथ मजबूत है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डा.अनुराग आर्य ने माना। इस अवसर पर स्टॉफ एवं 70 से अधिक छात्रायें उपस्थित रही।

वेलफेयर सोसायटी और इनर व्हील क्लब ने स्वेटर वितरीत किए

पिपलियामंडी, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सुख समृद्धि वेलफेयर सोसायटी एवं इनर व्हील क्लब मंदसौर के संयुक्त तत्वावधान में मल्हारगढ तहसील के शासकीय माध्यमिक विद्यालय बंड पिपलिया में करीब 101 छात्र छात्राओं को नि:शुल्क स्वेटर वितरित किए। इस अवसर पर संस्थाओं के पदाधिकारियों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमेशा जरूरतमंद की मदद करना चाहिए, ये परोपकार के साथ-साथ ईश्वरीय कार्य भी होता है। हमें आशा है कि आप लोग भी अच्छे से अच्छा अध्ययन करके अपने गांव, जिले और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर मंदसौर सुख समृद्धि वेलफेयर सोसायटी के सचिव प्रांजल गुप्ता, बद्रीलाल चौहान, लखन बैरागी, सुमित रत्नावत, जतिन गुप्ता, इनर व्हील क्लब से श्रीमती शर्मिला बसेर, पार्वती बसेर, प्रीति छाबडा, सोनिया खिमेसरा, विद्यालय प्राचार्य पंकज परिहार, रेखा पाटीदार, अकीला बी पठान, मीनाक्षी वेद सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 72 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 72 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम नीमच डॉ.ममता खेडे सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में कनावटी की शीलाबाई, सुवाखेडा के ज्ञानचंद, इंद्रानगर नीमच की मनीषा, बिसलवास खुर्द के सुनील, मोडी के कारूलाल, मोरवन के अशोक, बनडा के कैलाश, दुलाखेडा के महिपालसिह, शोभाराम, मोहनसिह, केसरसिह, कुम्हाकरागली नीमच केंट के सलीम, इंदिरा नगर विस्तासर नीमच की ललिता बाई, कोराखेडी मोहनलाल, जमुनिया कलां पवन कुमार, तारापुर के विवेक, रतनगढ के वार्ड नं.2 के भेरूलाल, महाराणा बंगला के पास नीमच के राजेन्द्रक कुमार, हरनावदा के सालगग्राम, जवाहर नगर प्लांट 22 नीमच केंट के रवि शंकर शुक्ला , मेघपुरा के दिनेश धाकड, सेमली चंद्रावत के कमल धनगर ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह जनसुनवाई में रतनगढ के प्रकाशचंद्र, बिसलवासकलां की जानीबाई, मनासा की मेनाबाई, भगवानपुरा की भगवती बाई, नीमच केंट की नर्मदाबाई, गुलाब खेडी के संतोष सिह, स्कीबम नं.9 के मोहम्मद अकबर, कनावटी के नन्दू लौहार, मोडी के मोडीराम, चल्दू के रामनिवास, जयसिंहपुरा नीमच की श्रीमती शांतिबाई आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

दो नवीन पार्कों बसई एवं सेमली कांकड़ की स्थापना से मंदसौर में 2500 करोड़ का निवेश आएगा-मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर की औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास एवं उद्यमियों से संवाद किया

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नक्षत्र गार्डन में मंदसौर की औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास एवं उद्यमियों से संवाद किया। 132 करोड की मेसर्स हरिओम रिफाइनरी एवं 7.5 करोड की मैक्सिकन एग्रो केमिकल लिमिटेड का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा, खजुराहो सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, विधान परिषद, कार्यकारी सभापति विशेषाधिकार समिति के सदस्य एवं पूर्व मंत्री डॉ महेंद्र सिंह, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, श्री हीतानंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, सुवासरा विधायक श्री हरदीप

सिंह डंग, गरोठ विधायक श्री चंदर सिंह सिसोदिया, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, श्री नानालाल अटोलिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, एमपीआईडीसी के अधिकारी, कर्मचारी, बडी संख्या में उद्योगपति, पत्रकार मौजूद थे।

शिलान्यास के पश्चात मुख्यमंत्री नेनिवेशकों की सहायता हेतु जिलास्तर पर स्थापित निवेश प्रोत्साहन केन्द्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। पावरग्रिड कापर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा मंदसौर में निवेश हेतु मुख्यमंत्री को अभिरूचि पत्र सौंपा। इस पावर ग्रिड के माध्यम से मंदसौर जिले में 1040 करोड का निवेश आएगा। मुख्यमंत्री ने मंदसौर में औद्योगिक विकास के उत्प्रेरण हेतु दो नवीन पार्कों बंसई एवं सेमली कांकड की स्थापना की उद्घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो नवीन पार्को से 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। दोनों पार्कों की वीडियो द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मंदसौर जिले में दो नवीन पार्कों कें स्थापना होने से 100 ईकाईयों के माध्यम से 2500 करोड का निवेश आने वाला है। मंदसौर एवं नीमच जिले में सभी तरह की क्षमता और संरचना यहां पर हैं। अब औद्योगिक क्षेत्र में भी कार्य शुरू हो गया है। जग्गा खेडी, बसई, सेमली काकड नए औद्योगिक क्षेत्र बन रहे हैं। उद्योग लगाने के लिए जिन संसाधनों की आवश्यकता रहती है, वह साधन दिए जा रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र में मध्य प्रदेश देश में नंबर एक पर होगा। उद्योगों के माध्यम से रोजगार मिलता है और उससे समृद्धि आती है।

मानवीय अधिकारों का संरक्षण आदर्श राज्य की पहचान होती-श्रीवास्तव

पिपलियामंडी, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस का आयोजन हुआ, प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस की इस वर्ष की थीम हमारे अधिकार- हमारा भविष्य अभी पर वक्ताओं ने विचार रखे। राजनीति विज्ञान प्रोफेसर गोविंद तंवर ने कहा हमारे संविधान में 6 मौलिक अधिकारों का उल्लेख है, जिनका संरक्षण राज्य का उत्तरदायित्व है। विश्व के अन्य देशों में मानवीय अधिकारों की स्थिति को बताते हुए कहा कि महिलाओं को अभी भी अनेक देशों में मूलभूत स्वतंत्रता, शिक्षा तथा समानता के अधिकार से वंचित रखा जा रहा है। प्राचार्य आरके श्रीवास्तव ने कहा हम भारतीय भाग्यशाली है, जहां भारतीय संविधान द्वारा मौलिक अधिकारों का संरक्षण प्राप्त है। समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों के अधिकारों को विस्तार से समझाते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि समाज में इन अधिकारों से वंचित नागरिकों में जागरुकता फैलाकर उन्हें मानवीय गरिमा के प्रतीक इन अधिकारों से सशक्त राष्ट्र बनाकर अपने उत्तरदायित्व को निभाए। कार्यक्रम में प्राध्यापक डीसी बोरीवाल, चंद्रकला चौहान, 0निशा जटिया सहित बडी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आभार गोविन्द तंवर ने माना।

तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा-उप मुख्यमंत्री

श्री देवड़ा ने खजुरिया सारंग में उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश

देवडा ने ग्राम खजुरिया सारंग में 65 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले आयुष्मान आरोग्यम मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार एवं बच्चे मौजूद थे। ग्राम खजुरिया सारंग के शिक्षक, शिक्षिका एवं 10 वी कक्षा में 85% लाने वाली बालिका कुमारी दिव्या पाटीदार का सम्मान किया।

भूमि पूजन अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा। हम सबको मिलकर काम करना है। सरकार जनता की हर मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने का कार्य कर रही है। शुद्ध पीने का पानी, सडक, बीमार के लिए इलाज का प्रबंध, पढाई की व्यवस्था, घर, बिजली, युवाओं को रोजगार जैसी अनेक आवश्यकताओं को पूरा किया है। यह देश हमारा परिवार है। प्रजातंत्र में जनता मालिक हैं। पहले लाखों परिवार खुले आसमान के नीचे सोते थे, लेकिन पीएम आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवार को पक्के आवास दिए हैं। आवास से वंचित लोगों को भी पीएम आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। एक भी परिवार बिना मकान के नहीं रहेगा। पहले इलाज के अभाव में बहुत से लोगों की मृत्यु हो जाती थी, लेकिन आयुष्मान कार्ड से अब हर व्यक्ति का निशुल्क 5 लाख तक का इलाज हो रहा है। यह आयुष्मान कार्ड गारंटी कार्ड हैं। अब 70 से अधिक उम्र के व्यक्तियों के भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। स्वच्छता का संदेश दिया। अपने गांव में कहीं भी कचरा दिखे तो उसे डस्टबिन में जरूर डालें एवं अपने गांव को साफ एवं स्वच्छ बनाएं।

राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय खेल शिक्षक श्री देवेंद्र बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया कि दशपुर विद्यालय के छात्र गर्व सिसोदिया का चयन बालक 17 वर्ष राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता दिनांक 04/12/2024 से अशोकनगर ग्वालियर में जारी है। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ,प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस, सुपरवाइजर श्री हाकिमप्रसाद शर्मा एवं खेल प्रशिक्षक,श्री जयविजय सिंह सिसोदिया, श्री आकाश गाजवा, श्री नवीन खोखर, श्री कुणाल शर्मा एवं श्री भारत सिंह ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

व्यापारी की आंखों में मिर्च डालकर नकदी व जेवर लूटे, आरोपी 2 दिन बाद भी नही पकड़ाए

पिपलियामंडी, 10 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आंख में मिर्च पाउडर डालकर व्यापारी से नकदी व जेवर लूट के मामले में दो दिन बाद भी पुलिस आरोपियों को नही पकड पाई। जानकारी के अनुसार कयामपुर निवासी आदित्य पिता कृष्णवल्लभ मोदी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई थी कि रविवार शाम 7 बजे कृषि सेवा की दुकान को बंद कर रहा था, इसी दौरान तीन बदमाशों ने मेरी आंख में मिर्च पाउडर डाल दिया और मारपीट कर 50 हजार रुपए से भरा बेग छिन लिया व गले से सोने की चेन की झपटकर फरार हो गए। पुलिस ने लूट का केस दर्ज कर लिया, लेकिन दो दिन बाद भी पुलिस अभी तक आरोपियों को नही पकड पाई। नाहरगढ टीआई प्रभात गौड का कहना है कि आरोपियों को पकडने में लगे हुए है।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी दलौदा जिला मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक MIG.II-234 का आवंटन श्री राधेश्याम पाटीदार पिता श्री रामनारायण पाटीदार को मण्डल आदेश क्रमांक 971 दिनांक 04.08.2016 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 09.11.2016 को पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री राधेश्याम पाटीदार पिता श्री रामनारायण पाटीदार द्वारा भूखण्ड का विक्रय श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी को कर विक्रय पत्र दिनांक 07.09.2021 इनके पक्ष में संयुक्त रूप से पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर भूखण्ड का नामांतरण श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी संयुक्त रूप से अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्जा हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भूखण्ड का नामान्तरण श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी दलौदा जिला मंदसौर स्थित भूखंड क्रमांक LIG -92 श्री घनश्याम तेली पिता श्री रतनलाल तेली को मण्डल आदेश क्रमांक 2261 दिनांक 05.10.2007 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भूखंड का पट्टाभिलेख दिनांक 06.01.2012 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री घनश्याम तेली पिता श्री रतनलाल तेली द्वारा भूखण्ड का विक्रय श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी को कर विक्रय पत्र दिनांक 07.09.2021 इनके पक्ष में संयुक्त रूप से पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर भूखण्ड का नामांतरण श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी संयुक्त रूप से अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी दलौदा जिला मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक LIG-72 श्री प्रमोद कुमार तेली पिता श्री रामचन्द्र तेली को मण्डल आदेश क्रमांक 2301 दिनांक 05.10.2007 द्वारा आवंटित किया गया था। भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 15.12.2011 को पंजीबद्ध करवाया गया था। आवंटी श्री प्रमोद कुमार तेली पिता श्री रामचन्द्र तेली द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी को संयुक्त रूप से कर विक्रय पत्र दिनांक 07.09.2021 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी उक्त भूखण्ड का नामांतरण संयुक्त रूप से अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भूखण्ड का नामान्तरण श्री विरेन्द्र सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी एवं श्री कृष्णपाल सिंह भाटी पिता श्री लक्ष्मण सिंह भाटी के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

जनकल्याण पर्व
11 - 26 दिसम्बर, 2024

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान
11 दिसम्बर - 26 जनवरी, 2025

शुभारंभ

गरीब, युवा, किसान एवं महिलाओं की समृद्धि के

नये अवसरों का मध्यप्रदेश

गीता जयंती के अवसर पर

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

7 हजार से अधिक आचार्यों द्वारा सस्वर गीता पाठ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.28 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹1572 करोड़

एवं

55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को

₹334 करोड़ का

अंतरण

11 दिसम्बर, 2024 । पूर्वाह्न : 11 बजे

लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

D-11114/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in